संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड

आउटकम बजट 2022–23

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा–वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
1.	अनुदान संख्या–11 2205–कला एवं संस्कृति–00–001–निदेषन तथा प्रषासन 03–सांस्कृतिक कार्य निदेषालय	संस्कृति विभाग से सम्बन्धित समस्त कार्यों के सम्पादन एवं नियंत्रण तथा विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु संस्कृति निदेशालय की स्थापना। प्रदेश की लुप्तप्रायः लोक संस्कृति के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उन्नयन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।	821.97	–	134 सांस्कृतिक कार्यक्रम	245 सांस्कृतिक कार्यक्रम	1–अधिष्ठान व्यय अधिकारी/नियमित कर्मचारियों की संख्या–20 आउटसोर्स–26 2–600 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन	विभागीय योजनाओं का सफल संचालन एवं संस्कृति से जुड़े कलाकारों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार एवं संस्कृति का प्रचार–प्रसार	1 वर्ष
2.	05–धर्मस्व, तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला अधिष्ठान	प्रदेश में स्थित विभिन्न धार्मिक स्थलों, तीर्थों के रख–रखाव एवं संचालन।	0.06	–	–	–	–	–	
3.	101–ललित कला षिक्षा–03– भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संस्कृति के प्रति छात्र–छात्राओं में अभिरूचि बनाये रखने के उद्देष्य से भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा, देहरादून एवं पौड़ी की स्थापना।	301.73	–	429 छात्र–छात्राओं का मानक षिक्षा प्रदान की गई।	564 छात्र–छात्राओं का मानक षिक्षा प्रदान की गयी।	1–कर्मचारी/षिक्षकों का अधिष्ठान व्यय नियमित–21 आउटसोर्स–20 (षिक्षण एवं षिक्षणेत्तर कर्मचारी) 2–कुल 700 छात्र–छात्राओं को मानक षिक्षा प्रदान करना	शास्त्रीय संगीत से उत्कृष्ट कलाकार, संगीतज्ञ एवं षिक्षक तैयार किये जायेंगे।	7 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
4.	03–स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान	लोक संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक नाट्य, वेश–भूषा एवं ऐतिहासिक वस्तुओं के संरक्षण, संवर्द्धन एवं उन्नयन में अनवरत रूप से कार्यरत व्यक्तियों/गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक अनुदान।	50	–	1 स्वायत्तशासी संस्थायें	25 स्वायत्त–शासी संस्थायें	25 स्वायत्तशासी संस्थायें	कला का संरक्षण एवं संवर्द्धन	3 वर्ष
5.	04–स्व0 गो0ब0 पन्त लोक कला संस्थान	लोक कलाओं का क्रमबद्ध अध्ययन, विकास, शोध, संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन तथा भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देशय से अल्मोड़ा में लोक कला संस्थान की स्थापना।	19.09	–	–	–	अधिष्ठान व्यय–01 कर्मचारी	लोक कलाओं को प्रकाश में लाना।	2 वर्ष
6.	06–साहित्य कला परिषद की स्थापना	साहित्य,संस्कृति, संगीत, लोक गीत, लोक नृत्य, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं सुनियोजित विकास हेतु देहरादून में संस्कृति,साहित्य एवं कला परिषद की स्थापना।	20	–	–	–	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–4	प्रदेश की समृद्धशाली कला एवं संस्कृति को अक्षुण्ण रखा जा सकेगा।	1 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
7.	08–रंगमण्डल स्थापना	विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक नाटकों के वास्तविक रूप को जीवन्त रखने के उद्देश्य से देहरादून एवं अल्मोड़ा में रंगमण्डल की स्थापना।	20	–	ष्षून्य कार्यषालायें/नाट्य महोत्सव	1 कार्यषालायें/नाट्य महोत्सव	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–3 2–नाट्य महोत्सव–01 कार्यषाला–1	अभिनय कला का कार्यषालाओं के माध्यम से प्रषिक्षण प्रदान कर प्रषिक्षुओं को रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष
8.	09–वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंषन	प्रदेष की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े कलाकार एवं लेखक जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो तथा वृद्धावस्था एवं अस्वस्थता के कारण अपना जीवन यापन करने में असमर्थ हो गये हों, ऐसे वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों, लेखकों एवं साहित्यकारों को मासिक पेंषन।	65	–	134 कलाकार/लेखक	148 कलाकार/लेखक	170 कलाकार/लेखक	कलाकार/लेखकों का भविष्य आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित रहेगा।	2 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
9.	12–षहीद स्मारक	षहीदों की चिरस्मृति संजोए रखने के उद्देष्य से षहीद स्मारकों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।	18.50	–	3 ष्षहीद स्मारकों का रख–रखाव	3 ष्षहीद स्मारकों का रख–रखाव	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–9 नियत–1 3 षहीद स्मारकों का जीर्णोद्धार	जन सामान्य को षहीदों के त्याग व बलिदान से परिचित होंगे।	2 वर्ष
10.	13–उदयषंकर नृत्य अकादमी का संचालन	भारत के विभिन्न षास्त्रीय नृत्यों पर आधारित अभिनय कला के नियमित प्रषिक्षण दिये जाने हेतु अल्मोड़ा में उदयषंकर नृत्य एवं संगीत अकादमी की स्थापना।	26.41	–	–	–	1–अधिष्ठान व्यय दैनिक पारिश्रमिक–4 अकादमी भवन का रख–रखाव एवं संचालन।	पं0 उदयषंकर की विषिष्ट षैली के अध्ययन/ प्रषिक्षण से भावी पीढ़ी लाभान्वित होगी।	2 वर्ष
11.	19–सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं का क्रय		0.02	–	–	–	–	–	
12.	23–महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	देष एवं प्रदेष के महान विभूतियों के योगदान को भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देष्य से उनकी स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रम एवं गोष्ठियां।	10	–	1 महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	1 महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	01 महान विभूतियों की वर्षगांठ का आयोजन	महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से आम जनमानस प्रेरित होगा।	1 वर्ष
13.	32–देहरादून में ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना		5	–	–	–	–	–	

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
14.	33– लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	आर्थिक रूप से विपन्न ऐसे लेखक, कवि एवं साहित्यकार जिनकी कृतियां धनाभाव के कारण प्रकाशित नहीं हो पाती हैं, उन्हें पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता।	5	–	शून्य	28 लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	16 लेखकों को पुस्तक प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	संस्कृति के क्षेत्र में नई पीढ़ी को ज्ञान मिलेगा।	3 वर्ष
15.	34– धार्मिक यात्राओं हेतु प्रदेश के स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता।	प्रदेश के ऐसे स्थायी निवासी जिनके द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण की जाती है, को रू0 50 हजार धनराशि आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर प्रोत्साहित करना।	10	–	10 स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता	भारत सरकार की अनुमति पर निर्भर	20 स्थायी निवासियों को आर्थिक सहायता	धार्मिक यात्राओं के माध्यम से संस्कृति से रू–ब–रू एवं पर्यटन को बढ़ावा देना।	2 वर्ष
16.	35–मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता	मेला समितियों को संस्कृति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु प्रदेश के पौराणिक एवं ऐतिहासिक मेलों के आयोजनार्थ वित्तीय सहायता प्रदान करना है।	100	–	13 मेला समितियों को मेलों के आयोजन हेतु सहायता	20 मेला समितियों को मेलों के आयोजन हेतु सहायता	35 मेला समितियों को मेलों के आयोजन हेतु सहायता	मेलों के आयोजन से प्रदेश की लोक संस्कृति, रहन–सहन एवं रीति–रिवाज समृद्ध होगी।	2 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा–वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
17.	36–संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण	प्रदेश की लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	6	–	शून्य	1 अभिलेखी–करण कार्य	2 अभिलेखीकरण कार्य	भावी पीढ़ी लुप्तप्रायः संस्कृति तथा मूर्धन्य कलाकारों की कृतियों से प्रेरित होगी।	2 वर्ष
18.	41–प्रदेश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्द्धन	प्रदेश की लोक भाषाओं गढ़वाली–कुमाऊँनी भाषा के संरक्षण, संवर्द्धन, भाषा की लिपि आदि में शोध कार्य, पर्वतीय रामलीला, होली, जागर, रम्माण, पाण्डवाणी, लोक गाथायें इत्यादि का संरक्षण, संवर्द्धन एवं इस क्षेत्र में कार्यरत कलाकारों, लेखकों को आर्थिक सहायता/छात्रवृत्ति दिया जाना।	50	–	शून्य	25 संस्थाओं को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु आर्थिक सहायता	15 संस्थाओं को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु आर्थिक सहायता	प्रदेश की लोक भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन।	3 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भा–वित समयावधि
			राजस्व	पूंजी					
19.	43–राज्योत्सव (राज्य स्तरीय लोक संगीत/लोक कला प्रतियोगिता का आयोजन)	राज्य गठन के अवसर पर माह नवम्बर के प्रथम सप्ताह में प्रदेश में राज्योत्सव मनाया जाता है।	25	–	–	–	3 सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रतियोगितायें	लोक संस्कृति से जुड़ी हुई समस्त विधाओं से आम जनमानस को परिचित कराना।	1 वर्ष
20.	44–हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र देहरादून का वार्षिक रख–रखाव	गढ़ी कैंट, देहरादून में हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में राज्य स्तरीय संग्रहालय तथा ऑडिटोरियम के अतिरिक्त पुस्तकालय, नाट्यशाला, एक वृहद कान्फ्रेंस हॉल, वाह्य एवं आन्तरिक कला दीर्घायें, ललित कला एवं संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।	85	–	–	–	वार्षिक रख–रखाव एवं संचालन।	देश–विदेश से पधारने वाले पर्यटकों, शोधार्थियों एवं जन सामान्य को पुरा सम्पदा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु।	2 वर्ष
21.	47–श्राईन बोर्ड को अनुदान		1000	–	–	–	–	चारधाम यात्रा हेतु देष–विदेष से पधाराने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने एवं श्रद्धालुओं को मूलभुत सुविधाऐं प्रदान करने के लिए देवस्थानम् बोर्ड को	–

								धनराषि उपलब्ध कराई जाती है। विगत् वर्ष में कोरोना महामारी के कारण चारधाम यात्रा बाधित रही। भविष्य में कोरोना की संक्रमणता सामान्य होने पर यात्रा सुचारू रूप से प्रारम्भ हो जायेगी।	
22.	48–नेहरू हेरिटेज सेन्टर का रख–रखाव/ संचालन	नेहरू जी के योगदान उनके त्याग व जीवन आदर्शों तथा मार्गदर्शन से आम जनमानस को परिचित कराना।	8.01	–	–	–	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–1 स्मारक का रख–रखाव एवं संचालन	–	–
23.	49–आर्ट गैलरी का संचालन	ललित कला के क्षेत्र में प्रान्तीय, राष्ट्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कलाकारों को उनके कला के प्रदर्शन हेतु उचित मंच/स्थान उपलब्ध कराये जाने, जिससे जनमानस तथा ललित कला के क्षेत्र में जुड़े नवयुवकों को इसका लाभ प्राप्त हो सके।	13	–	–	–	1–अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–3 आर्ट गैलरी का रख–रखाव एवं संचालन।	–	–

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
24.	50–कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता	प्रदेश की लोक सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन एवं संवर्द्धन में अनवरत रूप से जुड़े विपन्न कलाकार तथा उनके आश्रितों को राज्याश के रूप में रू0 500 मासिक पेंशन का भुगतान।	0.25	–	–	–	1 कलाकार	जीविकोपार्जन हेतु सहायता	1 वर्ष
25.	51–प्रेक्षागृह का संचालन		1.18	–			अधिष्ठान व्यय एवं रख–रखाव व संचालन		
26.	52–स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा संग्रहालय का संचालन		0.01	–	–	–	–	स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा जी के गांव बुघाणी स्थित पैतृक आवास को संग्रहालय /भवन के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें बहुगुणा जी की जीवनी से सम्बन्धित पुस्तकों, सामग्रियों आदि का संकलन किया गया है, जिससे आम जनमानस को इसका लाभ मिल सके।	

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
27.	103–पुरातत्व विज्ञान 02–पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 का कार्यान्वयन	राज्य स्तर पर पुरावशेषों की खोज, सूचीकरण, वर्गीकरण हेतु पुरावशेष शिविरों का आयोजन तथा उनके अभिलेखीकरण व छायांकन तथा पंजीकरण का कार्य करना।	10.76	–	–	–	अधिष्ठान व्यय आउटसोर्स–2	भावी पीढ़ी को अपने अतीत के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी।	1 वर्ष
28.	103–पुरातत्व विज्ञान 03–पुरातत्व अधिष्ठान	प्रदेश के संरक्षित एवं संरक्षणाधीन स्मारक एवं स्थलों को संरक्षण की दृष्टि से जीर्णोद्धार कर मूल स्वरूप प्रदान करना तथा उनकी सुरक्षा करना।	329.09	–	–	–	1–अधिष्ठान व्यय नियमित–14 आउटसोर्स–9 2–पुरातात्विक स्थलों का सामान्य अनुरक्षण (रख–रखाव एवं साफ–सफाई) – 8 3–विशेष अनुरक्षण(जीर्णोद्धार)–5	ऐतिहासिक धरोहरों के मूल स्वरूप को बनाये रखना।	2 वर्ष
29.	104– अभिलेखागार 03–राज्य अभिलेख	जनसामान्य के व्यक्तिगत अधिकार में तथा शासकीय कार्यों से अभिलेखों, दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों का स्थानान्तरण तथा विभाग के पास उपलब्ध ऐतिहासिक अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित किये जाने हेतु आवश्यक मरम्मत,	235.04	–	–	–	अधिष्ठान व्यय नियमित–12 आउटसोर्स–10 500 पत्रावलियों का परिरक्षण /रासायनिक उपचार हेतु स्थानान्तरण। प्रशिक्षण –2 20 शोध छात्रों को शोध हेतु अभिलेख उपलब्ध कराना।	शोधार्थियों एवं भावी पीढ़ी को प्राचीन अभिलेखों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने हेतु संरक्षित करना।	2 वर्ष

		वाष्पीकरण तथा माइक्रोफिल्मिंग आदि कार्य सम्पादित करना।							
30.	107–संग्रहालय 03–अधिष्ठान व्यय	यत्र–तत्र बिखरे पुरावशेषों को सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित करने के साथ–साथ आम जनमानस के नियंत्रण में उपलब्ध ऐतिहासिक वस्तुओं को क्रय कर संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।	149.71	–	–	–	अधिष्ठान व्यय नियमित–10 आउटसोर्स–14 सर्वेक्षण/संरक्षण प्रदर्शन	शोध छात्रों एवं आगन्तुकों हेतु पुरावषेषों एवं ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं उपलब्ध होंगी।	1 वर्ष
31.	4202–षिक्षा खेलकूद कला एवं संस्कृति पर पूंजीगत व्यय–04–कला एवं संस्कृति–106–संग्रहालय –03–संग्रहाल य भवन सम्बन्धी निर्माण	आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक परिसर आदि के निर्माण का मुख्य उद्देश्य आधुनिक कला, कलाकृतियां, प्रस्तर प्रतिमाओं, प्राचीन सिक्कों, प्राचीन आभूषणों का प्रदर्शन।	–	300	शून्य	संग्रहालय निर्माण 1	संग्रहालय निर्माण 04	पर्यटकों एवं आम जनमानस हेतु कलाकृतियों, प्रस्तर प्रतिमाओं, प्राचीन सिक्कों, प्राचीन आभूषणों का संरक्षण।	5 वर्ष
32.	04–महान विभूतियों की मूर्तियां/शहीद स्मारक का निर्माण	महान विभूतियों की चिर स्मृति को संजोए रखने के उद्देश्य से शहीद स्मारकों का निर्माण एवं मूर्ति स्थापना।	–	150	3 शहीद स्मारकों का निर्माण	3 शहीद स्मारकों का निर्माण	5	भावी पीढ़ी को महान विभूतियों की जानकारी प्राप्त होगी।	3 वर्ष
33.	08–संस्कृति ग्राम	उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों– बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, जागेश्वर, बागेश्वर, आदि कैलाश आदि की अनुकृतियों के साथ ही प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति से जुड़ी पारम्परिक वस्तुओं,	–	0.01	–	–	–	–	

		वाद्य यंत्रों, वेश–भूषा, लोक कलाकृतियों का प्रदर्शन, हस्तशिल्प, काष्ठ शिल्प वस्तुओं का प्रदर्शन, दुर्लभ जड़ी–बूटियों का प्रदर्शन तथा प्रदेश की प्रचलित खाद्य सामग्रियों का प्रदर्शन।							
34.	800–03–सांस्कृतिक परिसर / कला केन्द / विद्यालय / ऑडिटोरियम आदि का निर्माण	लोक कलाकारों के प्रशिक्षण एवं कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों हेतु प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना।	–	300	2 ऑडिटो–रियम का निर्माण	2 ऑडिटो–रियम का निर्माण	03 सांस्कृतिक केन्द्र / प्रेक्षागृह का निर्माण	प्रदर्शन कला के लिये कलाकारों को स्थान एवं मंच की उपलब्धता, आर्ट गैलरी तथा पुरा सम्पदा का संरक्षण।	5 वर्ष
35.	2205–कला एवं संस्कृति–00–102–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन–95–केन्द्रीय योजनाओं में राज्य का अंष– 12–सांस्कृतिक गतिविधियों से सम्बन्धित सह कार्य–कलापों के लिये वित्तीय सहायता (10%)		200	–	कार्य गतिमान	कार्य गतिमान	6 ऑडियो–वीडियो सिस्टम स्थापित	देश–विदेष से आने वाले पर्यटको एवं श्रद्धालुओं को आरती एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को देखने के लिए 1– हर की पैड़ी हरिद्वार 2– केदारनाथ पथ पर 3– केदारपुरी (मन्दिर परिसर) 4– स्वामी नारायण आश्रम, गंगा रिर्सोट, मुनिकीरेती, ऋषिकेष 5– परमार्थ निकेतन, लक्ष्मण झूला, ऋषिकेष 6– यमुनोत्री पर ऑडियो–वीडियो सिस्टम सुविधा स्थापित किये जा रहे हैं।	

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
36.	4202–षिक्षा खेलकूद कला एवं संस्कृति पर पूंजीगत व्यय–04–कला एवं संस्कृति–106–संग्रहालय–95 –केन्द्रीय योजनाओं में राज्य का अंष– 02– क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन, स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत ऋषिकेश में हिमालयन संग्रहालय की स्थापना (20%)	संग्रहालय में हिमालयी क्षेत्र के प्रमुख तीर्थ स्थलों की अनुकृतियां, हिमालयी क्षेत्र की पारम्परिक वेश–भूषा आभूषण, काष्ठ कला, धातु कला, कृषि यंत्र, वाद्य यंत्र आदि का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाना है।	–	91.53	1 कार्य गतिमान	1 कार्य गतिमान	01	हिमालयी संस्कृति का संवर्द्धन, संरक्षण एवं प्रदर्शन।	
37.	4202–षिक्षा खेलकूद कला एवं संस्कृति पर पूंजीगत व्यय–04–कला एवं संस्कृति–106–संग्रहाल–01–केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना–02–क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्रहालयों के उन्नयन, स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत ऋषिकेश में हिमालयन संग्रहालय की स्थापना (80%)	संग्रहालय में हिमालयी क्षेत्र के प्रमुख तीर्थ स्थलों की अनुकृतियां, हिमालयी क्षेत्र की पारम्परिक वेश–भूषा आभूषण, काष्ठ कला, धातु कला, कृषि यंत्र, वाद्य यंत्र आदि का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाना है।	–	244.19	1 कार्य गतिमान	1 कार्य गतिमान	01	हिमालयी संस्कृति का संवर्द्धन, संरक्षण एवं प्रदर्शन।	3 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा –वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
1.	**अनुदान संख्या–30** 2205–कला एवं संस्कृति– 102–कला एवं संस्कृति का सम्वर्द्धन– 02–अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान–0201– लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशलाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेन्टेशन का कार्य	अनूसूचित जाति के कलाकारों को जो अपनी कलाओं में निपुण हैं, उनके द्वारा अपनी जाति के अन्य लाभार्थियों को कार्यशलाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करना एवं विशेषतया ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित पारम्परिक पर्वों और मेलों के अवसर पर कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था एवं इनका अभिलेखन कार्य।	25	–	शून्य	शून्य	8 कार्यशालायें तथा 2 डाक्यूमेंटेशन कार्य	अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों की कला पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचेंगी।	2 वर्ष
2.	0203–अ0जा0 के व्यक्तियों के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	अनुसूचित जाति के व्यक्ति जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होती है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।	25	–	शून्य	50 कलाकारों को वेश–भूषा एवं वाद्य यंत्रों का वितरण	80 कलाकार	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना तथा रोजगार परक बनाना।	2 वर्ष

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	आउट कम हेतु सम्भा–वित समया वधि
			राजस्व	पूंजी					
3.	4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय–04–कला एवं संस्कृति–800–अन्य व्यय 03–कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन	अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने हेतु सभागार, मिनी ऑडिटोरियम तथा संस्कृति भवन का निर्माण।	–	20	2 सांस्कृतिक भवन का निर्माण	कार्य गतिमान है।	2	अनुसूचित जाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना।	2 वर्ष
1.	**अनुदान संख्या–31** 2205–कला एवं संस्कृति–00–001–निदेश न एवं प्रशासन –02–जनजाती य कला एवं संस्कृति का अभिलेखन, संरक्षण तथा उन्नयन हेतु योजना	जनजातीय कला एवं संस्कृति को भावी पीढ़ी के लिये संजोए रखने के उद्देश्य से ऑडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण द्वारा संरक्षित किया जाना।	20	–	शून्य	शून्य	5 कार्यशालायें/ डाक्यूमेंटेशन	अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों की कला पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचेंगी।	2 वर्ष
2.	2205–कला एवं संस्कृति–00–796–जनजा तीय क्षेत्र उप योजना 03–पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश–भूषा का क्रय	अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति/ कलाकार जिनकी आय का स्रोत अपनी पारम्परिक कला के माध्यम से होता है तथा जिनके पास वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा नहीं हैं, ऐसे व्यक्तियों एवं लोक कलाकारों को उनके जीवन	20	–	शून्य	20 कलाकारों को वेश–भूषा एवं वाद्य यंत्रों का वितरण	40 कलाकार	लोक कलाकारों को लोक वाद्य, उपकरण एवं वेश–भूषा उपलब्ध कराकर उन्हें संस्कृति के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना तथा रोजगार परक बनाना।	1 वर्ष

		यापन को सुचारू रूप से चलाने के लिये पारम्परिक वाद्य यंत्र एवं वेश–भूषा क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराना।							
3.	4202–शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय 04–कला और संस्कृति 800–अन्य व्यय 02–जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में सांस्कृतिक भवन/जन मिलन केन्द्र आदि का निर्माण	अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जनजाति के लोक कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सांस्कृतिक भवन/जनमिलन केन्द्र आदि का निर्माण।	–	40	–	–	1	अनुसूचित जनजाति के कलाकारों को उनकी कला के प्रदर्शन हेतु उचित स्थान एवं मंच उपलब्ध कराकर लोक कलाओं को जीवन्त रखना।	2 वर्ष
			3675.83	**1145.73**					

सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप–

क्र. सं.	SDG संकेतक	1–4–2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–3–2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2022–23	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2022–23
	–	–	–	–	–